महाराणा प्रताप महाविद्यालय
25-1-23
ग्रन्थालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

HND 516

M.A. III[rd] SEMESTER EXAMINATION, 2022-23

HINDI

हिन्दी आलोचना

(CBCS MODE)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : ____________________

Paper ID
(To be filled in the OMR Sheet)

8536

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures) | | | | | | | | | | | | | | | |

अनुक्रमांक (शब्दों में) : ____________________

Roll No. (In Words) : ____________________

Time : 1 Hour
समय : 1 घण्टा

Max. Marks : 60
अधिकतम अंक : 60

नोट : पुस्तिका में 40 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the OMR answer sheet at the end and nowhere else.

2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।

2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

1. आलोचना वह साहित्यिक प्रक्रिया है, जो काव्यगत सौन्दर्य का–

(A) उद्‌घाटन करती है

(B) विश्लेषण करती है

(C) मूल्यांकन करती है

(D) उपर्युक्त सभी

2. काव्यगत सौन्दर्य का आधार है–

(A) सुख–दुःखमूलक मनोभाव

(B) वैयक्तिक एवं सामाजिक चेतना

(C) भणिति–भंगिमा

(D) उपर्युक्त सभी

3. 'आलोचना' में 'आ' है–

(A) विशेषण

(B) प्रत्यय

(C) उपसर्ग

(D) अव्यय

4. सैद्धान्तिक आलोचना अथवा व्यावहारिक आलोचना जैसे पद वाचक हैं–

(A) आलोचना के शाब्दिक अर्थ के

(B) आलोचना के प्रकार के

(C) आलोचना के गुण के

(D) उपर्युक्त किसी में नहीं

5. एक श्रेष्ठ आलोचक अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए–

(A) काव्यानुभूति और जीवनानुभूति के सम्बन्धों की व्याख्या करता है

(B) परम्परागत मूल्यों का पुनराख्यान एवं नये मूल्यों की स्थापना करता है

(C) काव्य–वस्तु और काव्य–शिल्प के संश्लिष्ट सम्बन्ध का विश्लेषण करता है

(D) उपर्युक्त सभी

6. आलोचना का सम्बन्ध–

(A) रचना के शास्त्र–निर्माण से है

(B) रचना के गुण के प्रकाशन से है

(C) रचना की सीमाओं के उद्‌घाटन से है

(D) उपर्युक्त सभी से है

7. कारयित्री और भावयित्री प्रतिभा के उल्लेख से रचनाकार और आलोचक की भूमिकाओं की ओर ध्यान दिलाया गया है–

(A) 'काव्य–मीमांसा में

(B) 'ध्वन्यालोक' में

(C) 'नाट्‌यशास्त्र में

(D) उपर्युक्त किसी में नहीं

8. रचना और आलोचना के अन्तः सम्बन्ध की प्रकृति–

(A) सरल–एकरैखिक होती है

(B) द्वन्द्वात्मक होती है

(C) परस्पर निरपेक्ष होती है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. प्रगतिवादी आलोचना का दार्शनिक आधार है–

(A) मानववाद

(B) मार्क्सवाद

(C) यथार्थवाद

(D) साम्राज्यवाद

10. प्रगतिवादी आलोचक नहीं हैं–

(A) रामविलास शर्मा

(B) शिवकुमार मिश्र

(C) मुक्तिबोध

(D) रामस्वरूप चतुर्वेदी

11. 'मैंने क्षण पर जो बल दिया है, वह अनुभूति के प्रति सच्चाई के संदर्भ में।' यह विचार है–

(A) मुक्तिबोध का

(B) रामस्वरूप चतुर्वेदी का

(C) रघुवंश का

(D) अज्ञेय का

12. 'नाटक अथवा दृश्य काव्य' शीर्षक प्रसिद्ध निबन्ध के लेखक हैं–

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(B) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(C) श्याम सुन्दर दास

(D) पद्म सिंह शर्मा

13. 'हमें प्रयोगवादी कहना उतना ही सार्थक या निरर्थक है, जितना कवितावादी कहना।' यह कथन है–

(A) नलिन विलोचन शर्मा का

(B) अज्ञेय का

(C) विजयदेव नारायण साही का

(D) मलयज का

14. श्रृंगार रस को 'सामंतों की माता' कहा था–

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने

(B) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन' ने

(C) प्रताप नारायण मिश्र ने

(D) बालकृष्ण भट्ट ने

15. लेखक की रचना–प्रक्रिया के विश्लेषण पर जोर देने वाले आलोचक हैं–

(A) रामविलास शर्मा

(B) शिवदान सिंह चौहान

(C) गजानन माधव मुक्तिबोध

(D) अज्ञेय

16. आलोचना में कला के तीन क्षणों की चर्चा करने वाले आलोचक हैं–

(A) रामस्वरूप चतुर्वेदी

(B) गजानन माधव मुक्तिबोध

(C) अज्ञेय

(D) नामवर सिंह

17. हैकल की पुस्तक 'रिडिल ऑफ दि युनिवर्स' का 'विश्वप्रपंच' शीर्षक अनुवाद किया–

(A) रमेशकुन्तल मेघ ने

(B) रामचन्द्र शुक्ल ने

(C) शिवदान सिंह चौहान ने

(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने

18. "साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है" शीर्षक लेख प्रकाशित हुआ था–

(A) सरस्वती में

(B) आनन्द कादिम्बिनी में

(C) हिन्दी प्रदीप में

(D) हंस में

19. 'जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञान–दशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था रस–दशा कहलाती है।' यह मान्यता व्यक्त हुई है–

(A) साहित्य–दर्पण में

(B) नाट्यशास्त्र में

(C) रस–मीमांसा में

(D) वाङ्मय–विमर्श में

20. 'कविता के नए प्रतिमान' के लेखक हैं–

(A) लक्ष्मीकांत वर्मा

(B) नामवर सिंह

(C) रामविलास शर्मा

(D) विजयदेव नारायण साही

21. जब बोलचाल की भाषा की कविता को या आजकल के दूसरे पद्यों को साधारण लोग भी पढ़ने लगे, तब समझना चाहिए कि कविता और कवि लोकप्रिय हैं'–यह कथन है–

(A) रामचन्द्र शुक्ल का

(B) बाबू श्यामसुन्दर दास का

(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी का

(D) बालकृष्ण भट्ट का

22. 'नयी कविता और अस्तित्ववाद पुस्तक के लेखक हैं–

(A) रामविलास शर्मा

(B) मुक्तिबोध

(C) नामवर सिंह

(D) रामस्वरूप चतुर्वेदी

23. 'सच्ची–समालोचना' शीर्षक समीक्षा के लेखक हैं–

(A) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन'

(B) बालकृष्ण भट्ट

(C) प्रताप नारायण मिश्र

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. "परिमल के अपने अन्य सहयोगियों की तरह राजनीति में वे लोहियावादी थे"–यह कथन संबंधित है–

(A) रामस्वरूप चतुर्वेदी से

(B) नामवर सिंह से

(C) विजयदेव नारायण साही से

(D) रामविलास विलास शर्मा

25. छायावाद को शक्ति काव्य कहा है–

(A) अज्ञेय ने

(B) रामस्वरूप चतुर्वेदी ने

(C) मुक्तिबोध ने

(D) नामवर सिंह ने

26. 'इस तृतीय उत्थान (सन् 1918 ई०) में समालोचना का आदर्श भी बदला। गुण–दोष के कथन के आगे बढ़कर कवियों की विशेषताओं और अन्तः प्रवृत्ति की छानबीन की ओर भी ध्यान दिया गया'– यह कथन है–

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी का

(B) रामचन्द्र शुक्ल का

(C) बालकृष्ण भट्ट का

(D) प्रताप नारायण मिश्र का

27. 'देश वत्सल नाटकों' का उद्देश्य पढ़ने वालों या देखने वालों के हृदय में स्वदेशानुराग पैदा करना है" उपर्युक्त कथन है–

(A) प्रताप नारायण मिश्र का

(B) महावीर प्रसाद द्विवेदी का

(C) बाल कृष्णभट्ट का

(D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का

28. 'हिन्दी–नवरत्न' ग्रंथ के लेखक हैं–

(A) गणेश बिहारी मिश्र

(B) श्याम बिहारी मिश्र

(C) शुकदेव बिहारी मिश्र

(D) उपर्युक्त तीनों

29. 'हमारे यहाँ लक्षण ग्रंथों में रसानुभव को जो लोकोत्तर और ब्रह्मानन्द–सहोदर आदि कहा है वह अर्थवाद के रूप में, सिद्धान्त रूप में नहीं। उसका तात्पर्य केवल इतना ही है कि रस में व्यक्तित्व का लय हो जाता है'– यह कथन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल को सिद्ध करता है–

(A) रसवादी आलोचक

(B) अलंकारवादी आलोचक

(C) रीतिवादी आलोचक

(D) मनोविश्लेषणवादी आलोचक

30. स्वच्छंदतावादी, काव्य–सौष्ठववादी आलोचक के रूप में जाने जाते हैं–

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(B) डा० नगेन्द्र

(C) शांतिप्रिय द्विवेदी

(D) नन्ददुलारे बाजपेयी

31. शुक्लोत्तर आलोचकों में से 'रामचरित मानस' का संपादन किया था–

(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने

(B) नन्ददुलारे बाजपेयी ने

(C) शांतिप्रिय द्विवेदी ने

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

32. शुक्लोत्तर आलोचना की प्रमुख विशेषता है–

(A) छायावाद की प्रशंसा

(B) शुक्ल जी को सैद्धांतिक स्तर पर चुनौती

(C) निर्गुण काव्य के महत्व की प्रतिष्ठा

(D) उपर्युक्त सभी

33. नवजागरणकालीन आलोचना की विशेषता है–

(A) साहित्य को जनजीवन से जोड़ना

(B) साहित्य को सामाजिक–राजनीतिक मुक्ति का माध्यम बनाना

(C) परम्परागत काव्यशास्त्रीय स्वरूप का नकार

(D) उपर्युक्त सभी

34. प्रभाववादी आलोचक के रूप में जाने जाते हैं–

(A) रामचन्द्र शुक्ल

(B) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(C) शांतिप्रिय द्विवेदी

(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

35. 'साहित्यालोचन' पुस्तक के लेखक हैं–

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(B) बाबू श्याम सुन्दर दास

(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(D) प्रताप नारायण मिश्र

36. प्रगतिवाद पर टिप्पणी करते हुए किस आलोचक ने कहा कि 'स्थूल ने एक बार फिर सूक्ष्म के विरूद्ध विद्रोह किया'–

(A) मुक्तिबोध ने

(B) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने

(C) डॉ० नगेन्द्र ने

(D) रामविलास शर्मा ने

37. रस में काव्य की सम्पूर्ण भाव–सपंदा का अन्तर्भाव स्वीकार करने वाले आलोचक हैं–

(A) अज्ञेय

(B) रामचन्द्र शुक्ल

(C) नंददुलारे बाजपेयी

(D) डॉ० नगेन्द्र

38. 'रस अपने व्यापक अर्थ में मानसिक अनुभूति ही है।" यह कथन है–

(A) डॉ० नगेन्द्र का

(B) विजयदेव नारायण साही का

(C) नामवर सिंह का

(D) रामचन्द्र शुक्ल का

39. 'लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस' शीर्षक बहुचर्चित निबन्ध के लेखक हैं–

(A) अज्ञेय

(B) मुक्तिबोध

(C) रघुवीर सहाय

(D) विजयदेव नारायण साही

40. विजयदेव नारायण साही की पुस्तक नहीं है–

(A) साहित्य क्यों?

(B) साहित्य और साहित्यकार का दायित्व

(C) रीतिकाव्य की भूमिका

(D) छठवां दशक

*****